ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान - डी ओ टी (020) 26122271, 26123436, 26123680, 26111554
रेलवे - 5222, 5860, 5862

छात्रावास - डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669
रेलवे - 5896, 5897, 5898

फैक्स : 020-26128677
ई-मेल : mail@iricen.gov.in
टेलीग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष - 9 | अंक - 33 | जनवरी-मार्च 2005

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

1) सदस्य इंजीनियरी का इरिसेन दौरा
2) संस्थान की पुनर्सज्जित वेब साइट
3) आई.पी.डब्ल्यू.ई.(आई.) सेमिनार, नई दिल्ली
4) राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 86 वीं बैठक
5) सुनामी पीड़ितों को आर्थिक सहायता
6) विदाई
7) स्वागत
8) बधाई / शुभकामनाएं
9) भारत में चल रही इंग्लैंड की रेल गाड़ी

1 सदस्य इंजीनियरी का इरिसेन दौरा

भारत सरकार, रेल मंत्रालय के पदेन सचिव तथा रेलवे बोर्ड के सदस्य इंजीनियरी श्री सूर्यपाल सिंह जैन ने दि.16 फरवरी को संस्थान का दौरा किया ।

इस अवसर पर ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया । प्रारंभ में संस्थान के निदेशक श्री शिव कुमार ने सदस्य इंजीनियरी का पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत किया । तत्पश्चात श्री अभय कुमार गुप्ता, प्राध्यापक (रेलपथ 1) ने सदस्य इंजीनियरी का परिचय दिया तथा निदेशक ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया । इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सदस्य इंजीनियरी ने "ज्ञानदीप" की भूरि-भूरि प्रशंसा की। आपने इसके रंगीन प्रकाशन तथा अधिकारियों तथा कर्मचारियों को जन्मदिवस तथा वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई देने की परपंरा को एक सराहनीय कदम निरूपित किया। संस्थान में प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध उन्नत सुविधाओं की प्रशंसा करते हुए आपने संस्थान की पुनर्सज्जित वेब साइट की सराहना की । आपने विश्वास व्यक्त किया कि इस वेब साइट पर उपलब्ध डिस्कशन फोरम रेलवे के सिविल इंजीनियरों के लिए एक वरदान साबित होगा । अपने संबोधन के दौरान आपने संस्थान में अपने प्रशिक्षण की यादों को ताजा करते हुए अपने जीवन के अनेक रोचक अनुभव सुनाए । अंत में सदस्य इंजीनियरी को संस्थान की ओर से स्मृति चिह्न प्रदान किया गया ।

समारोह का एक दृश्य (बाएं से निदेशक एवं सदस्य इंजीनियरी)

आपने संस्थान के ग्रंथालय, कंप्यूटर कक्ष तथा प्रयोगशाला का निरीक्षण किया । संस्थान के भवन में बाहर से आने वाले अतिथि व्याख्याताओं के लिए एक विश्राम कक्ष बनाया गया है जिसका उद्घाटन सदस्य इंजीनियरी ने किया । तत्पश्चात आपने संस्थान के संकाय सदस्यों के साथ विचार-विमर्श किया।

अंत में, सदस्य इंजीनियरी ने इस अवसर पर संस्थान को एक लाख रुपये का सामूहिक पुरस्कार तथा 10,000 रु. का व्यक्तिगत पुरस्कार सर्वश्री चंद्रास बठीजा तथा ए. वी. दसरे तकनीकी सहायकों को देने की घोषणा की ।

संरक्षक
शिवकुमार
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं., पुणे

मुख्य संपादक
प्रवीण कुमार
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक - कंप्यूटर्स

संपादक
विपिन पवार
राजभाषा सहायक
ग्रेड I

सहयोग
अरूण चांदोलीकर
सह प्राध्यापक
अरूणाभा ठाकुर, रा.भा.अधी.
आर. जे. पाल, रा. भा. स. II

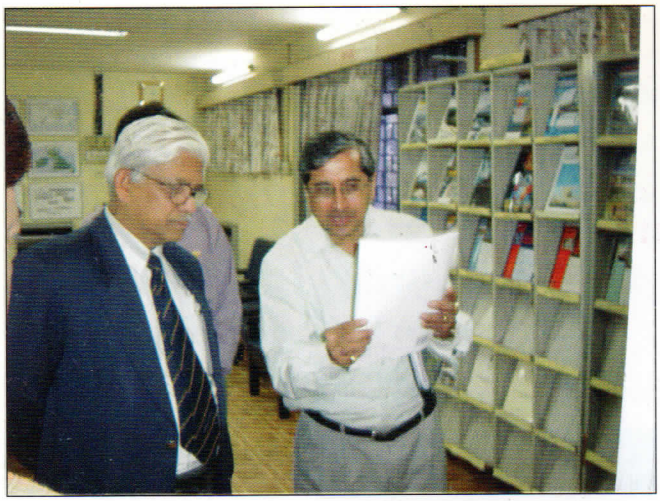

सदस्य इंजीनियरी ग्रंथालय का निरीक्षण करते हुए

सदस्य इंजीनियरी प्रयोगशाला का निरीक्षण करते हुए

2 संस्थान की पुनर्सज्जित वेब साइट

संस्थान की वेब साइट www.iricen.gov.in को पूर्व में भारतीय रेल पर हिंदी की सर्वश्रेष्ठ वेब साइट होने का गौरव प्राप्त हो चुका है, जिसके लिए संस्थान को माननीय रेल राज्यमंत्री द्वारा पुरस्कृत भी किया जा चुका है । अब इस वेब साइट की पुनर्सज्जा की गई है । इस पर ग्रंथालय प्रबंधन प्रणाली प्रारंभ की गई है, जिसके माध्यम से संस्थान के ग्रंथालय में उपलब्ध पुस्तकों एवं जर्नलों की अद्यतन स्थिति का पता लगाया जा सकता है । साथ ही प्रशिक्षण सांख्यिकी, पाठ्यक्रम प्रबंधन एवं विचार विमर्श मंच की भी व्यवस्था की गई है । इसके माध्यम से भारतीय रेल के सभी इंजीनियर एक दूसरे के सतत संपर्क में रह सकते हैं तथा आपसी विचार विमर्श कर सकते हैं । उक्त दोनों माध्यम प्रशिक्षण संस्थान के लिए प्रबंधन का एक उन्नत मार्ग उपलब्ध कराते हैं । इस वेब साइट पर सिविल इंजीनियरी विभाग के सेवारत अधिकारियों से संबंधित जानकारी को अद्यतन करने की सुविधा प्रदान की गई है, जिसमें अधिकारी अपने छायाचित्र सहित अपनी जानकारी को अद्यतन कर सकते हैं । यह अधिकारियों की वर्गीकृत सूची में अपने आप प्रदर्शित हो जाएगा तथा अधिकारियों का नवीनतम विवरण सामने आ जाता है । इसके अलावा वर्ल्ड रेलवे डिवीजन, निविदा सूचनाएं तथा सदस्य इंजीनियरी एवं निदेशक का संदेश इसकी प्रमुख विशेषताएं है ।

3 आई.पी.डब्ल्यू.ई.(आई.) सेमिनार, नई दिल्ली

दि.20 एवं 21 जनवरी को नई दिल्ली में इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) द्वारा ''भारतीय रेल पर रेलपथ अनुरक्षण, रिलेइंग एवं निर्माण कार्य के मशीनीकरण'' विषय पर आयोजित सेमिनार में संस्थान ने अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप भाग लिया । इस अवसर पर संस्थान द्वारा एक स्टॉल लगाया गया, जिसमें संस्थान द्वारा तैयार किए गए विभिन्न तकनीकी प्रकाशन एवं सी डी का प्रदर्शन किया गया, जिन्हें आगंतुकों ने देखा, जिसके फलस्वरूप गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष इनकी बिक्री में जबरदस्त वृद्धि हुई । संस्थान की पुनर्सज्जित वेब साइट का प्रचार किया गया, जिसमें रेलपथ, पुलों एवं निर्माण कार्य विषयों पर विचार विमर्श के लिए मंच प्रदान किया गया है। इस सेमिनार में संस्थान के वरिष्ठ प्राध्यापक (रेलपथ) श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा द्वारा ''बैलास्ट कम्पैक्शन की सुधारित प्रणाली द्वारा रेलपथ गुणवत्ता में सहज सुधार'' विषय पर तकनीकी पेपर प्रस्तुत किया गया । इस सेमिनार में प्रस्तुत किए गए तकनीकी पेपरों की समीक्षा एवं संकलन का कार्य संस्थान द्वारा किया गया । सेमिनार की कार्यवाही के आधार पर अनुशंसाएं तैयार की गई है तथा कार्यकारी निदेशक, आई.पी.डब्ल्यू.ई.(आई.), नई दिल्ली को भेजी गई है ।

4 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 86 वीं बैठक

संस्थान में दि. 14 जनवरी को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 86 वीं बैठक संपन्न हुई, जिसमें दि. 31.12.2004 को समाप्त तिमाही की अवधि की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई । मध्य रेल के मुंबई मंडल के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी श्री बुद्धिराम यादव ने भी इस बैठक में मार्गदर्शन दिया ।

5 सुनामी पीड़ितों को आर्थिक सहायता

गत वर्ष के अंत में हुई विश्व की महान त्रासदी सुनामी के पीड़ितों के लिए संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपना एक दिन का वेतन स्वेच्छापूर्वक दान दिया । कुल 45,787 रुपए इस कार्य हेतु प्रधानमंत्री राहत कोष में दिए गए।

6 विदाई

संस्थान के प्राध्यापक (रेलपथ - 2), श्री रमेश पिंजानी, दि. 09 फरवरी को स्थानांतरित होकर उप मुख्य इंजीनियर (रेलपथ आधुनिकीकरण), पश्चिम रेलवे, मुख्यालय, चर्चगेट के पद पर तैनात हो गए हैं । संस्थान आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है ।

श्री रमेश पिंजानी

7 स्वागत

श्री आर. के. यादव

* भा.रे.इं.से. के 1986 परीक्षा बैच के अधिकारी श्री आर. के. यादव ने दि. 09.02.05 को संस्थान के प्राध्यापक (रेलपथ-2) का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप मध्य रेल के पुणे मंडल पर अप्रैल 2002 से वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) के रूप में कार्यरत थे। 23 अगस्त 1964 को जन्मे श्री आर. के. यादव ने आई.आई.टी., रुड़की से बी. ई. (सिविल इंजीनियरी) ऑनर्स तथा आई. आई. टी., नई दिल्ली से एम. टेक. (भू तकनीकी इंजीनियरी) की उपाधि प्राप्त की । आपको परिवहन इंजीनियरी में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उत्तर प्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग का शताब्दी स्वर्ण पदक भी प्राप्त हो चुका है । आपको अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने का गहन एवं विशद अनुभव प्राप्त है । आपको भारतीय रेल प्रणाली के सबसे चौड़े पी. एस. सी. गर्डरों वाले पैदल उपरी पुल (दादर स्टेशन) की उत्कृष्ट योजना तथा निर्माण के लिए 1999 में महाप्रबंधक का पुरस्कार प्रदान किया गया ।

श्री के. नारायण

* श्री के. नारायण ने दि. 07.01.2005 से संस्थान में निदेशक के निजी सचिव ग्रेड -I का राजपत्रित पदभार ग्रहण कर लिया है । इससे पूर्व आप संस्थान में निदेशक के वैयक्तिक सहायक के पद पर कार्यरत थे । आप दि. 19.10.1987 को रेलवे भर्ती बोर्ड से अवर आशुलिपिक के रुप में चयनित होकर संस्थान में आए थे ।

8 बधाई/शुभकामनाएं

श्री चंद्रास बठीजा

* श्री चंद्रास एच. बठीजा, तकनीकी सहायक (कंप्यूटर्स) ने वेब इंटरफेस के साथ बार कोडिंग की सुविधा वाला ग्रंथालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर बनाने तथा संस्थान की वेब साइट की पुनर्सज्जा करने का उत्कृष्ट कार्य किया है, जिसके फलस्वरूप रेलवे को 4 लाख रूपए से अधिक की बचत हुई है। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए सदस्य इंजीनियरी ने श्री चंद्रास एच. बठीजा को 10,000 रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया है ।

श्री अनंत वसंत दसरे

* श्री अनंत वसंत दसरे, तकनीकी सहायक (अनुरक्षण) ने संस्थान परिसर, संस्थान के कोरेगांव पार्क स्थित छात्रावास एवं आर. बी. एम. रोड तथा कोरेगांव पार्क स्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवासों का अनुरक्षण उत्कृष्ट ढंग से किया है । इस उत्कृष्ट कार्य के लिए सदस्य इंजीनियरी ने श्री अनंत वसंत दसरे को 10,000 रूपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया है ।

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

08 अप्रैल - श्री अरूण हरि चांदोलीकर, सह प्राध्यापक
22 अप्रैल - श्री अनिल कुमार बी. राणा, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक
30 अप्रैल - श्री के. नारायण, निजी सचिव (निदेशक)
06 जून - श्री नवीन चंद्र शारदा, वरिष्ठ प्राध्यापक (कार्य)
26 जून - श्री अभय कुमार गुप्ता, प्राध्यापक (रेलपथ - 1)

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

30 अप्रैल - श्री प्रवीण कुमार, प्राध्यापक (कंप्यूटर्स)
01 मई - श्री अरूण हरि चांदोलीकर, सह प्राध्यापक
02 मई - श्री एम. मलन्ना, सहायक कार्यकारी इंजीनियर -2
06 मई - श्री अभय कुमार राय, प्राध्यापक (कार्य)
06 मई - श्री अनिल कुमार बी. राणा, सहायक मंडल वित्त प्रबंधक
14 मई - श्री अशोक कुमार यादव, वरिष्ठ प्राध्यापक (पुल एवं प्रशिक्षण)

कर्मचारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 अप्रैल - श्री मलकप्पा कांबले, प्रक्षेपक, श्री जनार्दन अर्जुन तावड़े, खलासी, श्री पापा दादू, खलासी
06 अप्रैल - श्री धोंडीराम जगन्नाथ, वरिष्ठ खलासी
09 अप्रैल - श्री वसंत कुमार, सहायक ग्रंथपाल
21 अप्रैल - श्री सिद्धार्थ कालूराम, खलासी
28 अप्रैल - श्री अनंत वसंत दसरे, तकनीकी सहायक (अनुरक्षण)
04 मई - श्री महेन्द्र मलकप्पा, कंप्यूटर परिचर
10 मई - श्री मिलिंद कांबले, खलासी
12 मई - श्री चंद्रकांत लिंबाजी, फेरो प्रिंटर
13 मई - श्री एम. पेच्ची, सहायक रसोईया
18 मई - श्री सुनील पोफले, प्रधान नक्शानवीस
19 मई - श्री केरबा शामराव गायकवाड, खलासी
22 मई - श्रीमती रागिनी नटराजन, वैयक्तिक सहायक, श्री संजू कांबले, प्रवर लिपिक
28 मई - श्री विश्वनाथ पवार, खलासी
25 मई - श्री सदाशिव भाऊ, खलासी
01 जून - श्री के. पी. धुमाल, वैयक्तिक सहायक, श्रीमती जयंती दंडपाणि, प्रधान लिपिक, श्री शिवाजी प. तावड़े, तकनीशियन, श्री नागेश एल. गवंडी, तकनीशियन, श्री संभाजी यशवंत, मोटर चालक, ग्रेड - 2, श्री अंजनैया सिद्धपा, गेस्टेटनर ऑपरेटर, श्री सुधीर जगन्नाथ, खलासी, श्री प्रकाश केरबा गायकवाड, कंप्यूटर परिचर, श्री यशवंत विनायक,

खलासी, श्री परमेश्वर, खलासी, श्री सौदागर विनायक, खलासी, श्री बाबू इरप्पा भंडारी, खलासी, श्रीमती उमा भगत, सफाईवाली

02 जून - श्री कालूराम जगताप, अवर लिपिक, श्री किसन भिकाजी, खलासी

03 जून - श्री धनशेखरन, खलासी

04 जून - श्री रूपेश बबन, खलासी, श्री मूर्तिजा बेग, मोटर चालक, ग्रेड -1

05 जून - श्री डी. ए. कांबले, रसोईया, श्री नरेश मोहन चव्हाण, खलासी

06 जून - श्री बी. जी. घाटे, छात्रावास अधीक्षक -3

08 जून - श्री वेल मुरुगन, खलासी

09 जून - श्री नंदू बलवंत, खलासी

10 जून - श्रीमती अरूणाभा ठाकुर, राजभाषा अधीक्षक, श्री शंकर बापू पुरी, मोटर चालक, ग्रेड -2, श्री विठ्ठल कालूराम, खलासी

14 जून - श्री जगदीश रामू, सफाईवाला

15 जून - श्री गणेश श्रीनिवासन, वैयक्तिक सहायक

18 जून - श्री गोविंदराजन रंगास्वामी, खलासी

19 जून - श्री केरबा गायकवाड, खलासी

21 जून - श्री विलास काशीनाथ, खलासी

कर्मचारियों की विवाह वर्ष गांठ पर हार्दिक बधाई

11 अप्रैल - श्री शेखलाल मौला, दफ्तरी

15 अप्रैल - श्री राकेश कुमार, सफाईवाला

18 अप्रैल - श्री माणिक लाल मगन, सफाईवाला

19 अप्रैल - श्रीमती विद्या धानेकर, कार्यालय अधीक्षक 2 (भंडार)

21 अप्रैल - श्री लव प्रकाश श्रीवास्तव, तकनीकी सहायक (छात्रावास)

28 अप्रैल - श्री संजू कांबले, प्रवर लिपिक

29 अप्रैल - श्रीमती गायत्री नायक, प्रवर आशुलिपिक

30 अप्रैल - शिरीष मोरे, रेलपथ मिस्त्री

02 मई - श्री ठाकुर अंबालाल, सफाईवाला

05 मई - श्री विनायक नारायण सोहोनी, तकनीकी सहायक (पुल)

07 मई - श्री ए. डी. सातपुते, मास्टर क्राफट्समैन

11 मई - श्री महेन्द्र मलकप्पा, कंप्यूटर परिचर, श्री बाबू इरप्पा भंडारी, खलासी

14 मई - श्री डी. ए. कांबले, रसोईया

15 मई - श्री जर्नादन अर्जुन तावड़े, खलासी, श्री प्रकाश केरबा गायकवाड, खलासी

16 मई - श्री केरबा गायकवाड, खलासी, श्री बी. जी. घाटे, छात्रावास अधीक्षक -3

22 मई - श्रीमती रागिनी नटराजन, वैयक्तिक सहायक, श्री चंद्रास एच. बठीजा, तकनीकी सहायक (कंप्यूटर्स), श्री कालीदास शीतल प्रसाद, अवर लिपिक, श्री संजू कांबले, प्रवर लिपिक, श्री पंढरी मलकप्पा, अवर लिपिक

26 मई - श्री जे. एम. पटेकरी, मुख्य तकनीकी सहायक

04 जून - श्री प्रदीप तावड़े, तकनीशियन

13 जून - श्री. जे. एस. शेट्टी, कार्यालय अधीक्षक (स्थापना)

20 जून - श्री अनिल पद्मने, तकनीशियन

25 जून - श्री गौतम श्रीपती हरिभक्त, अवर लिपिक

9 भारत में चल रही इंग्लैड की रेल गाड़ी

क्या आप जानते हैं कि स्वतंत्र भारत में आज भी इंग्लैंड की रेल गाड़ी चल रही है ? आधिकारिक रूप से तो यह 631 डाउन है, लेकिन लोग प्यार से इसे ''शकुंतला'' कहते हैं । ब्रिटिश युग का एक अवशेष, नैरोगेज की रेल गाड़ी शकुंतला एक्सप्रेस, स्वतंत्रता के बाद भारतीय रेल को स्थानांतरित नहीं की गई थी तथा आज भी इसकी मालिक इंग्लैंड स्थित कंपनी इसे मध्य रेलवे को पट्टे (लीज) पर देती आ रही है । इस प्रकार यह देश में निजी तौर पर चलने वाली एकमात्र रेल गाड़ी बन चुकी है । कहा जाता है कि इसकी मालिक इंग्लैंड स्थित निक्सन एंड निक्सन कंपनी ने इसे उन्नीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक में प्रारंभ किया था । शंकुतला जुड़वां बहने हैं, दोनों मध्य रेलवे के भुसावल मंडल पर चलती हैं । मुंबई - नागपुर रेल मार्ग पर पथांतरित (डाइवर्टेड) रेल मार्गों पर एक मुर्तिजापुर से यवतमाल के बीच चलती है, तो दूसरी मुर्तिजापुर से अचलपुर के बीच चलती है ।

(इंडियन एक्सप्रेस में ''ए ब्रिट ऑन दि ट्रैक्स'' शीर्षक से प्रकाशित समाचार से साभार)

*इस अंक में स्थानाभाव के कारण **सृजन** स्तंभ के अंतर्गत श्रीमती सरला माहेश्वरी, उपाध्यक्ष, संसदीय राजभाषा समिति, नई दिल्ली के धारावाहिक लेख **भारतीय जनतंत्र, राजनीति और राजभाषा हिंदी का सवाल** का प्रकाशन नहीं हो पाया है । आगामी अंक से इसका प्रकाशन नियमित रूप से किया जाएगा ।*

प्रवीण कुमार, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, कंप्यूटर्स, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स **संजीव मुद्रणालय** 469, सदाशिव पेठ, पुणे 411 030 फोन 5622 8163 द्वारा मुद्रित। (500 प्रतियां)